वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 2 | सोमवार 1 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

प्रदेश में बारिश के साथ गिरे ओले, जयपुर में तेज बरसात

जैसलमेर में दुकानों में घुसा पानी; 20 जिलों में अलर्ट, बिजली गिरने की आशंका

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में जयपुर समेत 5 जिलों में बारिश हुई। नागौर और बूंदी में ओले गिरे। बरसात के बाद तापमान में 13.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में प्रदेश के 20 जिलों में आंधी के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। चार जिलों में बिजली गिरने के साथ ओलावृष्टि की आशंका है। प्रदेश में रविवार सुबह से ही कई जिलों में बादल छाए रहे। सुबह बूंदी में बारिश के साथ ओले गिरे। टोंक और लाडनूं में भी तेज बरसात हुई। जयपुर में दोपहर 1.30 बजे तेज बारिश हुई। इस दौरान हवा भी चली। रुक-रुककर बरसात का दौर जारी रहा। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर, नागौर, चूरू, सीकर, झुंझुनूं, दौसा, भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक, बूंदी, कोटा, धौलपुर, करौली, बारां, पाली, अलवर, सवाई माधोपुर में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने के साथ बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही चूरू, बूंदी, सवाईमाधोपुर और टोंक में आकाशीय बिजली गिरने के साथ ही ओलावृष्टि भी हो सकती है।

टोंक के निवाई और बूंदी में बरसात, ओले गिरे

टोंक के निवाई में रविवार सुबह अचानक मौसम बदल गया। सुबह से ही तेज हवा का दौर शुरू हुआ। इसके कारण क्षेत्र का मौसम ठंडा हो गया। सुबह करीब 11.30 बजे शहर में जमकर बारिश हुई। वहीं, बूंदी में भी बारिश के साथ ओले गिरे। लाडनूं में भी करीब आधे घंटे तक बारिश हुई। बारिश के बाद बस स्टैंड पर पानी भर गया। करीब 10.45 बजे हल्की बारिश शुरू हो गई। जो करीब आधे घंटे तक हुई। वहीं, शनिवार को जैसलमेर में सबसे ज्यादा बारिश हुई। जैसलमेर शहर में शनिवार शाम सात बजे तेज हवा के साथ बारिश शुरू हुई। इसके बाद तूफानी बारिश से जगह-जगह पानी भर गया। मौसम विभाग के अनुसार शहर में 2.5 इंच (59 एमएम) बारिश रिकॉर्ड की गई। बारिश से कई इलाकों मे पानी भर गया। दुकानों में पानी घुस गया और सड़कों पर नदी बहने लगा।

राजस्थान के पास दो अलग-अलग सिस्टम बने

भारतीय मौसम केंद्र के वैज्ञानिकों के अनुसार राजस्थान के आस-पास दो साइक्लोनिक सिस्टम बनने के कारण लगातार मौसम परिवर्तन हो रहा है। इसमें पहला सिस्टम राजस्थान के पास पाकिस्तान में बना है। जबकि दूसरा सिस्टम दक्षिणी राजस्थान में एमपी गुजरात की सीमा पर है। जिसकी वजह से अरब सागर से नमी मिल रही है। ऐसे में अगले 48 घंटों तक इसका असर देखने को मिलेगा जिसकी वजह से तेज आंधी और बारिश के साथ ओलावृष्टि की आशंका भी बनी हुई है। मई के दूसरे सप्ताह में भी थंडर स्टॉर्म गतिविधियां जारी रहने से तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है। जबकि तीसरे और चौथे सप्ताह के दौरान बारिश की गतिविधियों में कमी आ सकती है। इसके बाद तापमान में बढ़ोतरी होने और अधिकतम तापमान औसत के आसपास रहने की संभावना है।

13 डिग्री तक गिरा तापमान

राजस्थान में बीते 24 घंटे में हुई बारिश के बाद तापमान में गिरावट का सिलसिला भी शुरू हो गया है। प्रदेश के चित्तौड़गढ़ और कोटा में जहां तापमान में 13.5 डिग्री सेल्सियस की सबसे ज्यादा गिरावट हुई है। वहीं श्रीगंगानगर में 12.7, उदयपुर में 12.1, भीलवाड़ा में 10.3, जैसलमेर में 10.1, फलौदी में 9.4, बाड़मेर में 9.3, जयपुर में 8.8, पिलानी में 8.1, सीकर में 8, जोधपुर में 7.9, बीकानेर में 7.5, चूरू में 6.6, अलवर में 5.1 और अजमेर में 3.1 डिग्री तापमान में गिरावट हुई है। जिसके बाद प्रदेश में सबसे ज्यादा 36.8 डिग्री अधिकतम और सिरोही में सबसे कम 16.3 डिग्री न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया है।

नागौर में ओले गिरे

नगौर में शनिवार शाम करीब पांच बजे मौसम पलटने के साथ बारिश का दौर शुरू हुआ। देर रात तक रुक-रुक कर बारिश हुई। जिले के डेह सहित आसपास गांवों में ओले भी गिरे। आम रास्तों और खेतों में जगह-जगह पानी भर गया। जायल क्षेत्र में ओलों की चादर खेत और सड़क पर बिछ गई। वहीं सुहाने मौसम का जबरदस्त मजा लिया गया।

विशाल रक्तदान एवं निशुल्क मेगा मल्टी चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

प्रथम बार अग्रवाल सेवा सदन डिग्गी में लगाया गया शिविर

डिग्गी. शाबाश इंडिया

जे एन यू मेडिकल कालेज एवं हास्पिटल जयपुर एवं अग्रवाल समाज चौरासी के सहयोग से अग्रवाल सेवा सदन डिग्गी मे आयोजित निशुल्क मेगा मल्टी स्पेशलिस्ट चिकित्सा परामर्श जांच चिकित्सा शिविर एवं विशाल रक्तदान शिविर लगाया गया जिसमें सैकडों मरीजों ने लाभ लिया। अग्रवाल समाज चौरासी अध्यक्ष अनिल सुराशाही एवं मंत्री विनोद जैन ने बताया कि शिविर में फिजिशियन, श्वास व दमा रोग, प्रसूति व स्त्री रोग, नवजात शिशु व बाल रोग, नेत्र रोग, कान नाक गला रोग, जोड़ प्रत्यारोपण रोग, शल्य चिकित्सक, त्वचा रोग, फिजीयोथैरेपिस्ट आदि रोगों के विशेषज्ञों द्वारा सेवाएं प्रदान की गई। अग्रवाल समाज चौरासी के संरक्षक हुकमचन्द जैन महामंत्री गोविन्द नारायण जैन ने बताया कि शिविर के दौरान ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ईसीजी, व बच्चे दानी के केंसर सहित अनेक प्रकार की जांचे निशुल्क की गई। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि शिविर की शुरूआत सुबह 10 बजे से 2 बजे तक किया गया जिसमें मल्टी स्पेशलिस्ट चिकित्सा मे 245 रोगियों को परामर्श देकर निशुल्क जांचो की चिकित्सा देकर सेवाएं दी। जौंला ने बताया कि इस शिविर मे आर्यिका विलोचन मति माताजी एवं प्रेरणास्रोत संतोष देवी जैन पराणा के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर लगाया गया जिसमें 25 रक्तदाताओं ने रक्तदान करके पुण्यार्जन किया। जौंला ने बताया कि सभी रक्तदाताओं को हुकमचंद जैन अनिल सुराशाही विनोद जैन गोविन्द नारायण जैन महावीर प्रसाद सुराशाही प्रकाश जैन सहित प्रबंधनकारिणी पदाधिकारियों द्वारा प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज चौरासी के संरक्षक हुकमचन्द जैन ने कहा कि रक्तदान महादान है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों में रक्तदान करने से नये रक्त का संचार होता है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को समय समय पर रक्तदान करना चाहिए। जौंला ने बताया कि डिग्गी मे आयोजित प्रथम विशाल रक्तदान शिविर एवं निशुल्क मेगा मल्टी स्पेशलिटी चिकित्सा परामर्श जांच शिविर का आयोजन अग्रवाल समाज चौरासी एवं जे एन यू मेडिकल कालेज एवं हास्पिटल के सहयोग से अग्रवाल समाज चौरासी के संरक्षक हुकमचंद जैन ने नेतृत्व में शिविर लगाया गया। शिविर में जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा, राधेश्याम जैन, पूर्व अध्यक्ष हुकमचंद जैन, अग्रवाल समाज चौरासी अध्यक्ष अनिल जैन सुराशाही, मंत्री विनोद जैन, महामंत्री गोविंद नारायण जैन, महेन्द्र पराणा, महावीर प्रसाद सुराशाही, प्रकाश चंद जैन, त्रिलोक जैन महावीर प्रसाद जैन सहित अनेक लोगों ने सेवाएं दी।

जेएसजी अनंता ने आयोजित किया कार्यक्रम एक कदम स्वास्थ्य की ओर

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शहर का जाना माना जैन सोशल ग्रुप अनंता ने आज रविवार सहेलीयों की बाड़ी उदयपुर में योग गुरु डॉ. शोभा सुराना के निर्देशन में योग किया तथा योग से लाभ के साथ यह भी जाना कि हमारा खान पान कैसा होना चाहिये। कार्यक्रम की जानकारी देते हुवे अध्यक्ष डा. शिल्पा नाहर ने बताया कि इस कार्यक्रम 'एक कदम स्वास्थ्य की ओर' में ग्रुप के लगभग 100 सदस्यों ने भाग लिया जो 7 बजे से 8.30 बजे प्रातः तक संचालित हुवा। सचिव राजेश सिसोदिया ने बताया कि इस कार्यक्रम में ग्रुप में हाल ही जुड़े 11 दंपति सदस्यों का उपरना ओड़ा कर स्वागत किया। नव सदस्यों का स्वागत करते हुवे मेवाड़ रीजन के निवर्तमान चेयरमैन फेडरेशन के उप सचिव ने नव सदस्यों से कहा कि ग्रुप को परिवार माने तथा जैसे दूध में पानी तुरंत मिश्रित होता है वैसे ही आप भी पुराने सदस्यों से घुलमिल जाये। डॉक्टर सुराना का स्वागत गजेंद्र जोधावत तथा राकेश भानावत ने किया। कार्यक्रम में प्रदीप बाबेल,अरुण खमेंसरा, शशि जैन, रमेश गेलडा,ललित कच्छारा, राज कुमार बाबेल, दिलीप सामर, अनिल हिंगड , तेज सिंह मोदी, रमेश शाह आदि उपस्थित थे।

प्रधान मंत्री की मन की बात सुनी

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात का सीधा प्रसारण जिला अध्यक्ष राघव शर्मा के नेतृत्व में, व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक प्रेम कुमार जैन व कार्यक्रम सह-संयोजक प्रमुख समाज सेवी प्रमोद जैन भँवर द्वारा बरकत नगर टोंक फाटक में किया गया। इसमें व्यापार प्रकोष्ठ के सभी गणमान्य व्यक्ति और कॉलोनी के सभी एकत्रित हुए। इस अवसर पर अन्य व्यक्तियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में प्रदीप सांगवान जिन्होंने हीलिंग हिमालय फाउंडेशन की शुरूआत की उनकी काफी सराहना की । इसके अलावा मंजूर अहमद जम्मू-कश्मीर के पेंसिल सिलेट्स, **Selfie With Daughter campaign** सुनील जी, को भी बहुत सराहा। मन की बात के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने समाज को एकजुट कर देश को आगे बढ़ाने की बात की प्रधानमंत्री ने टूरिज्म को अपने देश भारत मे ही बढ़ावा देने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री अपने मन की बात के जरिए लोगों से जुड़ना, उनके संदेशों को पढ़ना व उनसे बात करना बहुत सकारात्मक है। मन की बात का हर एपिसोड अपने आप मे खास है और हर बार भारतीयों को एक नई सफलता का एहसास कराता है ।

केरियर गाईडेन्स सेमीनार का आयोजन

भीलवाडा. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज भीलवाडा एवं श्री बाहुबली जैन वेलफेयर सोसायटी के सयुंक्त तत्वाधान मे "केरियर गाईडेन्स सेमीनार" का आयोजन स्वाध्याय भवन मे डॉ नीरज जैन के सानिध्य मे आयोजित किया गया। मुख्य अतिथी राजेश जैन, न्यायाधीश जेडीए जयपुर, एन के जैन, सेवा निवृत्त आई ए एस , डॉ.आलोक मित्तल डॉ मुकेश जैन, सुनील सेठी, अधिशासी अभियन्ता विघुत विभाग, डॉ पी के जैन, सुरेन्द्र छाबड़ा के सम्बोधन में कहा की शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है और जैन समाज की कई प्रतिभाये सभी क्षेत्रों में उच्च स्थान पर कार्यरत है। शिविर मे 116 विघार्थीयों ने भाग लिया। इसमें कक्षा 8 से 10 तक के बच्चों की परीक्षा ली गई जिसमे कक्षा 8 मे प्रियांश जैन ने प्रथम स्थान, रवि जैन से द्वितीय स्थान एवं अर्पिता जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 9 वी मे तीर्थ कोठारी प्रथम स्थान, प्रिया जैन द्वितीय स्थान एवं चारवी जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10 वी मे अक्षत जैन ने प्रथम स्थान , रिद्विवा टोग्या द्वितीय स्थान एवं आर्जव जैन एवं मंयक गंगवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया जिन्हे पुरूस्कृत किया गया। इसके पश्चात अलग-2 काउन्टर बनाकर बच्चों के साथ काउन्सिलिग की गई जिसमे मेडिकल काउन्टर पर बच्चों को विशेष जानकारी प्रदान करने हेतु डॉ. पी.के.जैन, डॉ. नीरज जैन डॉ. मुकेश जैन, डॉ. पूजा, साईन्स काउन्टर पर नीतिन जैन, सचिन जैन, गणित काउन्टर पर सुनील सेठी, एवं रूपल जैन, आर्किटेक्ट अर्पित जैन ने विभिन्न इन्जीनीयरिंग के आयाम के बारे मे बच्चों को जानकारी प्रदान की।सिविल सर्विसेज की जानकारी एन के जैन सेवा निवृत्त आई ए एस द्वारा प्रदान की गई ।विधि काउन्टर पर संदीप जैन, कोशल जैन, विपुल जैन एवं शालू जैन तकवित्रीन एवं सुनीता जैन ने विस्तृत जानकारी प्रदान की । कामर्स काउन्टर पर अजय कासलीवाल, विनीत जैन, मोनिका जैन, कीर्ति जैन, डॉ विधि जैन तथा आंकाक्षा जैन के द्वारा प्रदान की गई।

पुण्यतिथि 01 मई
हार्दिक श्रद्धांजलि

आदरणीय फूफाजी स्व. श्री लल्लूलाल जी गोदिका
एवं बुआजी स्व. श्रीमती श्यामा देवी गोदिका की पुण्यस्मृति में श्रद्धासुमन

श्रद्धावनत :- अश्विनी-मधु जैन, नेमी सागर कॉलोनी, जयपुर

वेद ज्ञान

किसके लिए जिएं...

यह बड़ा ही गूढ़ प्रश्न है। सभी की भिन्न-भिन्न प्राथमिकताएं होती हैं। उन्हें प्राप्त करने का ढंग भी अलग- अलग होता है। मनुष्य अपने बारे में सबसे पहले सोचता है उसके बाद परिवार के प्रति। ऐसे भी लोग हैं जो परिवार के मोह में अपने हित भी उपेक्षित कर देते हैं। जितना अधिक उदार मनुष्य का मन होता है उतने ही अधिक लोग उसकी चिंता के दायरे में सिमटते जाते हैं। थोड़े से लोग ऐसे भी हुए, जिन्होंने किसी भेदभाव के बगैर पूरे समाज की चिंता की। वे आज महापुरुष के रूप में पूज्यनीय हैं। अपने और अपनों के हितों से ऊपर उठकर व्यापक दृष्टि धारण कर पाना दुष्कर कार्य है। इसके लिए अपने आप से लड़ना पड़ता है। मनुष्य वास्तव में एक अत्यंत निरीह प्राणी है। इसे पांच शक्तिशाली योद्धाओं ने घेर रखा है। ये योद्धा हैं काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार। मनुष्य का इनसे बड़ा शत्रु और कोई नहीं है। ये इतने प्रबल हैं कि मनुष्य की इंद्रियों को जीतकर अपने वश में कर लेते हैं। जब इंद्रियों पर इन शत्रु योद्धाओं का आधिपत्य हो जाता है तब मनुष्य जीवन के मूल उद्देश्य को खो देता है। विवेक, बुद्धि, संयम, संतोष, दया और परोपकार जैसे गुण पराजित हो जाते हैं। जितना शक्तिशाली इनका प्रभाव होता है, मनुष्य उतना ही निर्बल होता जाता है। कई बार मनुष्य अपनों के हितों को ही दांव पर लगा देता है। अपने ही परिवार का शत्रु बन जाता है। ज्ञान, धर्म, नैतिकता, मूल्य आदि उसके लिए अर्थहीन हो जाते हैं। ऐसे लोगों के सामने धर्म, समाज की जितनी भी बातें की जाएं वे व्यर्थ हो जाती हैं। समाज में बदलाव की बातें निरंतर होती रहती हैं। इसके बावजूद समाज में गिरावट रुक नहीं रही। इसका कारण यही है कि बातें पत्थरों से की जा रही हैं। पांच विकारों ने मनुष्य की दसों इंद्रियों को जीतकर उसे पत्थर जैसा संवेदनहीन बना दिया है। ये पांच योद्धा समाज में व्याप्त वातावरण के कारण शक्तिशाली हो गए हैं और मनुष्य की इंद्रियों को जीतने में सफल रहे हैं। गुरु नानक साहिब ने आज से पांच शताब्दियों पूर्व ही यह वर्णन किया था कि समाज में कैसे स्त्रियों व पुरुषों, दोनों की नैतिकता का लोप हो रहा है। समाज से उन तत्वों को हटाना पड़ेगा जिनसे काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार को ताकत मिलती है। यह मनुष्य के जीवन का उद्देश्य हो कि उसे विकारों का गुलाम बनकर नहीं रहना है।

संपादकीय

थोक महंगाई में कमी का असर क्यों नजर नहीं आता...

कई बार यह समझना मुश्किल हो जाता है कि अगर थोक महंगाई में कमी होती है तो उसी अनुपात में उसका असर खुदरा वस्तुओं पर क्यों नहीं दिखता है। बाजार और मुद्रास्फीति के आंकड़ों में उतार-चढ़ाव के बरक्स हकीकत यह है कि खुदरा महंगाई का स्तर लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। इसे नियंत्रण में लाने के लिए मौद्रिक कवायदों से लेकर सरकार की ओर से बाजार में मांग के अनुपात में सामान की आपूर्ति को लेकर अलग से प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन इसमें कोई बड़ी राहत फिलहाल नहीं नजर आ रही है। हालांकि कुछ समय के अंतराल पर थोक और खुदरा वस्तुओं की महंगाई के सूचकांक में कभी बढ़ोतरी तो कभी मामूली कमी दिखाई देती है, फिर थोड़े वक्त के बाद जरूरी वस्तुओं की कीमतें आम लोगों की पहुंच से बाहर होने लगती हैं। कई बार यह समझना मुश्किल हो जाता है कि अगर थोक महंगाई में कमी होती है तो उसी अनुपात में उसका असर खुदरा वस्तुओं पर

क्यों नहीं दिखता है। स्वाभाविक ही ये सवाल उठते हैं कि आखिर देश भर में महंगाई की समस्या जूझ रहे लोगों को राहत दिलाने के मसले पर सरकार को कोई ठोस कवायद करना जरूरी क्यों नहीं लग रहा है। जबकि इसके कारणों की पड़ताल को लेकर शायद ही कभी कोई कमी होती हो। अब केंद्रीय वित्त मंत्री ने इस मसले पर जो राय जाहिर की है, वह एक बार फिर महंगाई की वजहों की ओर ही संकेत करती है। वित्त मंत्री का कहना है कि आपूर्ति से जुड़ी मौसमी समस्याओं के कारण महंगाई बढ़ी है और जरूरी सामान की कीमतों में नरमी लाने के प्रयासों के साथ लगातार उस पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने ईंधन और प्राकृतिक गैस के दाम में कमी लाने के प्रयासों की भी बात की लेकिन सब जानते हैं कि पिछले कुछ सालों के दौरान रसोई गैस के सिलेंडर की कीमत बढ़ते-बढ़ते आज कहां पहुंच चुकी है और उससे कितने परिवारों के सामने कैसी चुनौती खड़ी हो रही है। सही है कि आमतौर पर ईंधन और प्राकृतिक गैसों का आयात किया जाता है और पहले कोरोना और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से बाजार में इनकी कीमतों पर असर पड़ा है। निश्चित रूप से एक जटिल और विकट समस्या के रूप में महंगाई के कारणों की पहचान करना एक जरूरी और प्राथमिक पक्ष है, लेकिन सवाल है कि इसके समाधान को लेकर लंबे समय से केवल आश्वासन की स्थिति क्यों बनी हुई है? आज हालत यह है कि ऐसे तमाम लोग हैं, जिनकी पहुंच से खाने-पीने के सामान की कीमतें दूर हो रही हैं। अर्थशास्त्र की जटिल गुत्थियों में उलझी महंगाई की वजहें बाजार में खाने-पीने की चीजों या फिर सब्जियों के दाम कई बार सिर्फ पूछने तक की हिम्मत कर पाने वाले लोगों की मुश्किलों को कम नहीं कर पाती हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि महामारी और उसकी वजह से लागू की गई पूर्णबंदी के बाद बाजार के हालात सामान्य होने के बाद आज भी रोजी-रोजगार के मामले में चिंता बनी हुई है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

मनमानी...

अदालत का साफ मानना था कि पूर्णबंदी के दौरान स्कूल केवल ट्यूशन फीस के अलावा अन्य कोई भी शुल्क मांगने के हकदार नहीं थे। जब समूची दुनिया में कोरोना विषाणु से उपजी महामारी ने कहर मचाया हुआ था, तब हमारे देश में भी सरकार की ओर से इसका सामना करने के लिए तमाम वैकल्पिक उपाय निकाले जा रहे थे। बाकी अन्य मोर्चों पर जितना संभव हुआ, उतना सरकार ने किया। इसी क्रम में बच्चों को महामारी की चपेट में आने से बचाने के लिए स्कूल बंद किए जाने से लेकर अन्य तमाम दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। इसके तहत स्कूलों से यह भी कहा गया था कि वे इस दौरान बच्चों की फीस न वसूलें। लेकिन बहुत सारे स्कूलों ने इस पर गौर करना जरूरी नहीं समझा और कोरोना काल में भी अभिभावकों से शुल्क वसूले थे। इसके खिलाफ कुछ अभिभावकों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अपील की थी। मामले पर सुनवाई के बाद अदालत ने स्कूलों को पूर्णबंदी के समय ली गई फीस का पंद्रह फीसद अभिभावकों को लौटाने का आदेश दिया था। अदालत का साफ मानना था कि पूर्णबंदी के दौरान स्कूल केवल ट्यूशन फीस के अलावा अन्य कोई भी शुल्क मांगने के हकदार नहीं थे। हालांकि उस दौरान जो हालात थे, उसमें ऐसा करना एक सामान्य समझ का भी तकाजा था, मगर इसके लिए अदालत को यह निर्देश देने की जरूरत पड़ी। विडंबना यह है कि स्कूलों को अदालत के स्पष्ट आदेश को भी मानना जरूरी नहीं लगा। उन्होंने न फीस लौटाई या न ही उसे संयोजित किया। यह अपने आप में एक तरह से अदालती आदेश का उल्लंघन ही था। अब इस मामले में कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी ने जिले में ऐसा करने वाले स्कूलों की पहचान की और यहां के सौ से ज्यादा निजी स्कूलों पर एक-एक लाख रुपए का जुमार्ना लगाया है। यही नहीं, इस कार्रवाई के तहत कहा गया है कि अगर दस दिन के भीतर वसूला गया विद्यालय शुल्क अभिभावकों को वापस नहीं किया गया तो जुमार्ने की रकम बढ़ा कर पांच-पांच लाख रुपए कर दी जाएगी। हो सकता है कि गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी के आदेश के कुछ कानूनी परिप्रेक्ष्य हों और उसी संदर्भ में इस पर ओमल को लेकर कुछ सवाल हों लेकिन इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद इतने बड़े पैमाने पर स्कूलों ने अपनी मनमर्जी से फीस की वसूली की तो यह अपने आप में हैरान करने वाला मामला है। सवाल है कि अगर कोरोना से बचाव की कोशिश में बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर स्कूलों को भी बंद रखा गया था, तो स्कूलों को कम से कम उस समय विद्यार्थियों से वसूले जाने वाले शुल्क के ढांचे पर अपनी ओर से विचार करना जरूरी क्यों नहीं लगा। यह जगजाहिर तथ्य है कि पूर्णबंदी और महामारी के चरम के वक्त लोगों ने अपनी ओर से बचाव की कोशिशों में हर संभव सहभागिता की जिम्मेदारी निभाई। बल्कि इस क्रम में जो लोग परेशानी में घिर गए, जिनका रोजगार छूट गया, जिनके सामने खाने-पीने तक का संकट खड़ा हो गया, उस समय ऐसे तमाम लोग सामने आए, जिन्होंने अपनी सीमा में अपने खर्चे से जरूरतमंदों की मदद की। खुद सरकार ने अनाज मुहैया कराने से लेकर कई तरह के कार्यक्रम चलाए। ऐसे में स्कूलों की क्या जिम्मेदारी बनती थी? कम से कम फीस नहीं लेने की अपीलों के बाद उन्हें मदद के तौर पर ही सही, अपने यहां पढ़ने वाले बच्चों की फीस का ढांचा कुछ नरम करना चाहिए था। लेकिन हालत यह रही कि वसूले गए शुल्क लौटाने के अदालत के निर्देश पर भी अमल करना उन्हें जरूरी नहीं लगा। इसलिए गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी की ओर से इस संबंध में की गई कार्रवाई का आधार समझा जा सकता है!

स्व.ऋषभ जैन को दी भाव्यांजलि

संगीतमय भक्तामर स्तोत्र दीप महाअर्चना अनुष्ठान में भगवान आदिनाथ के गूंजे जयकारे

जयपुर. शाबाश इंडिया

तारों की कूंट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में 48 दीपकों द्वारा ऋद्धि मंत्रो से युक्त भक्तामर स्तोत्र दीप महाअर्चना अनुष्ठान का संगीतमय आयोजन किया गया। इस मौके पर मंदिर प्रांगण भगवान आदिनाथ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। ऋषभ सेवा संस्थान सूर्य नगर तारों की कूंट के तत्वावधान में प्रसिद्ध समाजश्रेष्ठी विनोद-दीपिका जैन कोटखावदा परिवार द्वारा होनहार सीए छात्र स्व.ऋषभ जैन की 14 वीं स्मृति के मौके पर भाव्यांजलि के रूप में आयोजित इस

दीप महार्चना का मैना देवी कासलीवाल, मुन्ना देवी वैद, विनोद -दीपिका जैन कोटखावदा, अंकित -दिव्या बाकलीवाल एवं शुभम जैन द्वारा भगवान शान्तिनाथ, भगवान महावीर स्वामी एवं भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया गया। प्रसिद्ध गायक सुशील झांझरी एवं शिखर चन्द जैन द्वारा भक्ति मय प्रस्तुति दी गई। मंत्रोच्चार का वाचन अनिल ठोलिया द्वारा किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से नाचते गाते भक्तामर स्तोत्र के प्रत्येक श्लोक पर दीप प्रज्वलन किया गया। इससे पूर्व विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का सामूहिक जाप्य श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। संचालन विनोद जैन कोटखावदा ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चन्द्र छाबड़ा,महेन्द्र कुमार साह आबूजीवाले, अशोक बाकलीवाल, सुरेन्द्र जैन, मनीष बगड़ा, कपिल बिलाला, पारस कासलीवाल, नवीन जैन, धनेश सेठी,ललित दीवान,विमल गोधा, भाग चन्द पाटनी, कैलाश काला,गौतम पाटोदी, नरेन्द्र जैन, रेखा पाटनी, माया साह, प्रेम लता बाकलीवाल, पुष्पा सोनी, कुसुम जैन, सुनिता जैन, संतोष बगड़ा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित थे।

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद मानसरोवर संभाग द्वारा सदस्यता अभियान आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद मानसरोवर संभाग द्वारा आयोजित महा सदस्य अभियान कैंप श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर राधा निकुंज मानसरोवर जयपुर में लगाया गया परिषद के अध्यक्ष अशोक बिंदायका व महामंत्री पारस जैन बोहरा ने बताया परिषद द्वारा 41 नए सदस्य जोड़े गए। कार्यक्रम में परिषद के परम शिरोमणि संरक्षक डॉ राजीव जैन, परम शिरोमणिसंरक्षक सतीश कासलीवाल, मंदिर समिति के उपाध्यक्ष सुरेश श्रीमाल, मंदिर के युवा मंडल के अध्यक्ष परिषद के नव सदस्य अभिषेक जैन, रवि गोदीका, मुकेश जैन, राहुल सोगानी अन्य सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित थे। अंत में परिषद के महामंत्री पारस बोहरा ने सभी नव सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

शुकलदशैं वैशाख दिवस...

भक्ति भाव से मनाया भगवान महावीर का ज्ञान कल्याणक दिवस -जैन मंदिरों में हुए विशेष धार्मिक आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

पूरे विश्व को जीओ और जीने दो का संदेश देने वाले, विश्व वंदनीय, जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का ज्ञान कल्याणक दिवस रविवार, 30 को भक्ति भाव से मनाया गया ।इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये। अभादिजैन परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन' कोटखावदा' के अनुसार मंदिरों में प्रातः अभिषेक के बाद विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। अष्ट द्रव्य से भगवान महावीर स्वामी की पूजा अर्चना की गई। पूजा के दौरान ज्ञान कल्याणक श्लोक " शुकलदशैं वैशाख दिवस अरिघात चतुक छय करना। केवल लहि भवि भवसर तारे, जजोंचरन सुख भरना।। मोहि राखो हो सरना।। " का उच्चारण करते हुए अर्घ्य चढ़ाया गया ।महाआरती के बाद समापन हुआ। श्री जैन के मुताबिक भट्टारक जी की नसियां में समाजसेवी विनोद जैन कोटखावदा के नेतृत्व में भगवान महावीर का ज्ञान कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया।इस मौके पर संगीतमय पूजा विधान किया गया। पूजा के दौरान मंत्रोच्चार करते हुए भगवान महावीर का ज्ञान कल्याणक अर्घ्य चढाया गया।इस मौके पर सौधर्म इन्द्र विनोद जैन कोटखावदा, अशोक बाकलीवाल,पदम चन्द कासलीवाल, ज्ञान चंद छाबड़ा, सुरेन्द्र जैन, मनीष बगड़ा,दीपक कासलीवाल, अंकित बाकलीवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन एवं श्रद्धालु गण शामिल हुए।गायक मुकुल बड़जात्या, सुशील झांझरी एवं शिखर चन्द जैन ने भक्ति रस बरसाया। भक्तिमय भजनों पर मैना देवी कासलीवाल, मुन्ना देवी वैद, संतोष बगड़ा, आभा कासलीवाल, दिव्या बाकलीवाल, तन्वी जैन,अल्का सोगानी,मीनू जैन, देवांश बाकलीवाल आदि ने भक्ति नृत्य किये। जैन के मुताबिक आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज, गोपाल जी का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर कालाडेरा (महावीर स्वामी) तथा सांगानेर के संघीजी दिगम्बर जैन मंदिर में विशेष आयोजन किये गये।

फ्रूट बोनांजा पार्टी का आगाज एंबीशन किड्स के साथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्योपुर रोड, प्रताप नगर स्थित एंबीशन किड्स एकेडमी में फ्रूट बोनांजा पार्टी का आयोजन किया गया ।इसमें नन्हे-मुन्ने बालक सज धज कर विभिन्न फ्रूट परिधानों में आए , जिसमें मुख्य रुप से एप्पल, मैंगो, केला, वाटरमेलन, स्ट्रौबरी, ऑरेंज इत्यादि प्रमुख थे। एंबीशन किड्स के वातानुकूलित सभागार में आयोजित इस समारोह में नन्हे मुन्ने बच्चे अठखेलियां करते हुए जैसे ही स्टेज पर पहुंचे तो तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूंज गया। एंबीशन के सभी विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इससे पूर्व प्राचार्य डॉ अलका जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए फलों की महतत्ता का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि फ्रूट हमारे खान-पान का एक अहम हिस्सा है। ये हमारे शरीर को ताकत देते हैं। हमारे शरीर को ऊर्जावान बनाने के लिए एक फ्रूट का नित्य प्रति सेवन करना चाहिए। यह कहा भी गया है कि ईट एन एप्पल ए डे, कीप्स डॉक्टर अवे। उपाचार्य अनीता जैन ने बताया कि खट्टे तथा मीठे दोनों प्रकार के फलों का सेवन करना चाहिए क्योंकि इनमें कैल्शियम, विटामिन मिनरल्स, प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट आदि प्रचुर मात्रा में होते हैं। अतः इनके नित्य सेवन से हम निरोगी रह सकते हैं। कार्यक्रम संचालिका भूमि ने बताया कि फ्रूट बोनांजा डे के दूसरे चरण में कक्षा एक से कक्षा 8 तक के विभिन्न विद्यार्थियों ने फ्रूट्स के महत्व तथा उपयोगिता के बारे में प्रेजेंटेशन दिया तथा हर फ्रूट की जरूरत को विस्तार से समझाया। विभिन्न प्रतियोगियो में से विनर्स का चयन -प्रॉपर ड्रेस अप, हाइजीन, कॉन्फिडेंस लेवल , प्रेजेंटेशन स्किल्स, प्रापर एक्सप्लेनेशन एवं सपोर्टिंग मेटेरियल के बेसिस पर किया गया । प्रत्येक कक्षा के प्रतियोगियों में से विनर्स तथा शेष प्रतियोगियों को रनर अप का सामूहिक रूप से गिफ्ट प्रदान कर उत्साह वर्धन किया गया । इस अवसर पर डायरेक्टर डॉ मनीष जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें इस प्रेजेंटेशन कार्यक्रम से बहुत कुछ सीखने को मिलता है जो भी विद्यार्थी रनर अप के रूप में रहा है, उन्हें अपने आप को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है तथा अगले आयोजन में और अधिक मेहनत और परिश्रम से विनर बनना है।

देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत बने मोदी

विराटनगर. शाबाश इंडिया। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा जारी 100वें 'मन की बात' संस्करण का रविवार को राष्ट्र के नाम प्रसारण हुआ। कार्यक्रम के तहत कस्बे के सब्जी मंडी प्रांगण में भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री कुलदीप धनकड़ के मुख्य आतिथ्य तथा भाजपा अनुसूचित जनजाति के जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल मीणा की अध्यक्षता मेंभाजपा कार्यकर्ताओं ने मोदी की प्रेरणादायी बातों को सुनकर सीख ली। राष्ट्र के नाम संदेश में मोदी ने अपने जीवन के अनेक किस्से सुनाए, वही देश की कला एवं संस्कृति तथा आर्थिक, सामाजिक रूप से विकसित भारत की ओर अवगत कराया। मन की बात कार्यक्रम के दौरान उन्होंने देशवासियों से अनेक मुद्दों पर संवाद किया। जिस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मोदी की प्रेरणादायी बातों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। इस अवसर पर धनखड़ ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस दौरान पूर्व चेयरमैन भागीरथ मल सैनी, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष मामराज सोलंकी, अशोक जैन, कार्यक्रम के संयोजक अशोक टेलर, मन की बात कार्यक्रम के मंडल अध्यक्ष गिर्राज सैनी, पार्षद प्रतिनिधि विकास शर्मा, मीडिया प्रभारी दीपेश चौबे, महेन्द्रसैनी, भाजयुमो अध्यक्ष हेमराज सैनी, पूर्व पार्षद प्रहलाद इन्दोरिया, पूर्व पार्षद रामेश्वर मीणा, महेश सैनी, रुपेंद्र शर्मा, राजू यादव ,पूर्व पार्षद विजय सैनी, सुभाष योगी, श्रीराम यादव, श्रवण योगी, लालाराम सैनी, राकेश स्वामी, अशोक डीलर, नरेश सैनी, तेजपाल यादव, विनोद योगी, सरदार मल सैनी, राकेश सैनी, प्रकाश सैनी, ओम प्रकाश सैनी, सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

'मन की बात' सुनी भाजपा कार्यकर्ताओं ने

नेत्री किरण मेघवाल के नेतृत्व में हुआ कार्यक्रम

नरेशसिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। भारतीय जनता पार्टी के शक्ति केंद्र नंबर 02 के बूथ संख्या 118 वार्ड नं.6 में यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के 'मन की बात' के 100वें कार्यक्रम को सुना । शक्ति केंद्र प्रवास पर भाजपा नेत्री किरण मेघवाल मौजूद रहे व उनकी उपस्थिति में ही नवनियुक्त पन्ना प्रमुखों का अभिनंदन कर उनके लिए अधिकृत पृष्ठ को सौंपकर बूथ को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बूथ अध्यक्ष विक्रम सिंह द्वारा की गई। कार्यक्रम में शक्ति केंद्र संयोजक कालू राम मंडल महामंत्री भादरराम उपाध्यक्ष कानाराम कोषाध्यक्ष कमल लाखोटिया, बूथ अध्यक्ष कृष्ण लाल, बूथ अध्यक्ष राजेंद्र जोशी, युवा मोर्चा जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज कुमार , युवा मोर्चा उपाध्यक्ष समीर , बूथ अध्यक्ष घनिष्टर स्वामी, सुरेन्द्र कुमार , प्रमोद कुमार, जयदीप, विष्णु शर्मा, सुरेन्द्र लुहार, अशोक शिवर,रामकुमार, मगतुराम , देवराज, पन्ना प्रमुख भवरी देवी, पन्ना प्रमुख गीता देवी, सुमन , संजू , अर्पिता देवी, गीता, निर्मला सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोलकाता प्रवासियों ने लाडनूं के जैन मंदिरों के दर्शन किए

लाडनूं. शाबाश इंडिया

यहां के दिगंबर जैन समाज के प्राचीन व भव्य मंदिरों के दर्शन के लिए देश भर के श्रद्धालु निरंतर आ रहे हैं। इसी क्रम में कोलकाता से लाडनूं के कोलकाता में प्रवास कर रहे संजू महेंद्र सेठी व सुरेंद्र सेठी के परिवार विशेष रूप से यहां के मंदिरों के दर्शन के लिए आये। इस अवसर पर दर्शनार्थी सुरेन्द्र सेठी ने कहा कि वे देशभर के तीर्थों व मंदिरों के दर्शन के लिए जाते रहते है लेकिन लाडनूं के जैन मंदिरों के दर्शन से उन्हें जो आत्मिक श्रद्धा व शांति की अनुभूति होती है वह कहीं ओर नहीं होती है। संजू महेंद्र सेठी ने कहा कि वे हर वर्ष इन मंदिरों के दर्शन के लिए आते रहे हैं और उनकी भावना है कि वे भविष्य में स्थाई रूप से लाडनूं आकर बस जायें ताकि यहां के जैन मंदिरों व भगवान शांतिनाथ का पावन सान्निध्य व आशीर्वाद उन्हें हमेशा मिलता रहे। इस अवसर पर श्रद्धालुओं का लाडनूं जैन समाज की सदस्य व फिल्म अभिनेत्री सोनम पाटनी द्वारा अभिनंदन किया गया।

पुण्यतिथि 1 मई

हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्री लल्लूलाल जी गोदिका

स्व. श्रीमती श्यामा देवी गोदिका

परिवार आपका मंदिर था, वात्सल्य आप की शक्ति।
श्रम रहा कर्तव्य आपका, निस्वार्थ आप की भक्ति॥
जीवन दर्शन आप पूज्य से, सीख अनुसरण करते।
भावविव्हल करबद्ध आपको, सादर नमन हैं करते॥

-: श्रद्धावनत :-

बाबूलाल-सुमन, उषा (भ्राता-वधू)
राजेश-अंजना, दिनेश-मीतू, राकेश-समता (पुत्र-वधू)
राज-सन्तोष गंगवाल (पुत्री-दामाद)
रजनेश, महावीर, प्रदीप, संदीप, सुधीर, सुदेश (भतीजे)
अर्पित-सुरभि, आदित्य-स्तुति, सक्षम-आरुषी, पृथ्वी (पौत्र-वधू)
श्रुति-अखिल पाण्ड्या, रचिता-सिद्धार्थ खूंटेटा, स्मृति-संयम बिलाला (पौत्री-दामाद)
सृष्टि-वरुण झांझरी (दोहिती-दामाद) शुभम-रिया गंगवाल (दोहिता-वधू)
विवान, इवान, अरू, दिवि , इविका
एवं समस्त गोदिका परिवार

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री विराग सागर जी महाराज का 61 वा अवतरण दिवस

भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी का 12वा गणिनी पदारोहण दिवस श्रद्धा भक्ति और समर्पण के साथ मनाया

पारस जैन पार्श्वमणि. शाबाश इंडिया

कोटा । श्री 1008 वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर, कृष्णा नगर रंगबाड़ी, कोटा में प. पू. गणाचार्य गुरुदेव 108 श्री विराग सागर जी महाराज का 61 वा अवतरण दिवस एवं भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी का 12वा गणिनी पदारोहण दिवस साथ ही शिखर कलशा व ध्वजा रोहण कार्यक्रम हर्षोल्लास के मगलमय वातावरण में सानंद सम्पन्न हुआ। जिसमें पूज्य गुरुदेव एवं गुरूमाँ के गुणों का गुणगान एवं भक्तिमय अष्टद्रव्य से पूजन की गई। इसी के साथ शास्त्र भेंट, वस्त्र भेंट, पाद प्रक्षालन के माध्यम से धर्म की महती प्रभावना हुई। गुरूमाँ के जयकारों से आकाश गुंजायमान हुआ । तत्पश्चात शुभ मुहुर्त पर जिनमंदिर के शिखर पर कलश स्थापना की गई। कलश स्थापना कर्त्ता परिवार प्रकाश चंद संजय दर्पण जैन कासलीवाल परिवार एवम ध्वजारोहण स्थापना कर्ता परिवार श्रीमती मेवा देवी चंद्रप्रकाश महेंद्र जयकुमार जितेंद्र पंकज मुदित रचित जैन परिवार को सौभाग्य प्राप्त हुआ। पूज्य गुरुमाँ ने प्रवचन देते हुए कहा कि पूज्य गुरुदेव का जन्म हम सबके कल्याण का कारण है। अगर गुरुदेव का जन्म नही होता तो हम सब यहां नहीं होते। इसी उपकारों का गुणगान करने का आज मौका है। उनके चरण कमलों में कोटिशः नमोस्तु तीन कलशों की स्थापना आत्मा के तीन अवस्थाओं के प्रतीक रूप में की जाती है। बहिरात्मा को अंतरात्मा बनकर परमात्मा पदको प्राप्त करने है के लिए कलश की स्थापना की जाती है। जैसे सिर और सिर के ऊपर मुकुट भोभा को प्राप्त होता है वैसे ही शिखर के ऊपर कुलश शोभा का प्राप्त होता है। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार ने बताया कि इस अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज समिति के अध्यक्ष विमल जी जैन एवम महामंत्री विनोद जी जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष इंद्र जैन महामंत्री पदम पाटनी कार्यकारिणी सदस्य संजय बाकलीवाल जय कुमार जैन निर्मल जैन सहित सैकड़ों श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

जैन पाठशाला जनकपुरी ने मनाया वार्षिक उत्सव

पाठशाला के 56 छात्रों को किया गया सम्मानित, प. शीतल प्रसाद ने शिक्षा शिक्षक व शिक्षार्थी का महत्व बताया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन पाठशाला जनकपुरी ने रविवार को भगवान महावीर के ज्ञान कल्याण दिवस पर एक वर्ष पूर्ण होने पर वार्षिक महोत्सव जोर शोर से मनाया। पाठशाला के संयोजक सुरेश शाह व राजेंद्र ठोलिया ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के निदेशक प० शीतल प्रसाद शास्त्री ,प्राचार्य प्रो अरुण कुमार जैन व मानद मंत्री सुरेश कासलीवाल थे । इनके अलावा संस्थान के विद्वान अजीत शास्त्री प्रदीप जैन व दीपक जैन की भी उपस्थिति रही ।कार्यक्रम किरण जैन के मंगलाचरण व छात्रों के भक्ति नृत्य से प्रारम्भ हुआ जिसके पूर्व केसर देवी नवीन राकेश मित्रपुरा ने चित्र अनावरण ,मयंक अर्पित पाटनी ने दीप प्रज्वलन किया । अतिथियों का सत्कार पाठशाला के मुख्य संयोजक पदम जैन बिलाला व संरक्षक गणों ने तिलक दुपट्टा व माला पहनाकर किया । जिनेंद्र कुमार चन्द्र कला जैन द्वारा शुभ भावना के साथ मंगल कलश व शिखर चंद किरण जैन द्वारा जिनवानी की स्थापना मंत्रोचार के साथ की गई।

मुख्य संयोजक द्वारा पाठशाला विवरण

पाठशाला के बारे में जानकारी देते हुए मुख्य संयोजक ने बताया की पाठशाला की स्थापना संस्थान के पदाधिकारियों के सानिध्य में ही 10 अप्रैल 2022 को हुई थी जिसमें संस्थान के नियमित पाठ्यक्रम के अलावा द्वादश वर्षीय पाठ्यक्रम के 114 छात्रों ने अध्ययन कर परीक्षाएँ दी है । यह खुशी की बात है की संस्थान द्वारा जनकपुरी को ही

परीक्षाओ के लिए केंद्र बना दिया गया है इसके बाद पाठशाला के बालकों ने सफेद कुर्ते पजामे पर पीला दुपट्टा पहनकर पाठशाला की उपयोगिता पर बहुत ही मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया जिस पर हाल तालियों से गुंजायमान हो उठा। पाठशाला के 26 नियमित व 30 द्वादश वर्षीय पाठ्यक्रम के छात्रों को वार्षिक महोत्सव पर पुरुष्कृत किया गया। पाठशाला के ही स्थानीय समाज के शिक्षक जे के जैन टोंक, जिनेंद्र बाकलीवाल, निकिता साखूनिया तथा कार्यकर्ता प्रियंका रूबल, अर्चना, पूनम, पंकज आदि का सम्मान किया गया साथ ही मन्दिर की प्रबंध समिति को विशेष धन्यवाद सहित महिला मण्डल व युवा मंच का भी आभार व्यक्त किया गया। छात्रों व अतिथियों के लिए अल्पाहार पुण्यार्जक केसर देवी मित्रपुरा , रमेश चौधरी ,व पदम बैद रहे। अतिथियों में प० शीतल प्रसाद जी ने मार्गदर्शन में बताया की शतप्रतिशत उपस्थिति वालों का प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त करने वालों आदि का सम्मान होना चाहिए।

युगद्दष्टा आचार्य श्री ज्ञानसागर जी की 66 वीं जन्म जयंती

शाबाश इंडिया

श्रम दिवस पर जिनका जन्म हुआ एवं महावीर मोक्ष कल्याणक के दिन समाधि। ये संत कोई ओर नहीं इस युग के श्रेष्ठ आचार्यो में से एक है। जिनमें भगवान महावीर का प्रतिबिम्ब झलकता है। जिनका वर्णन शब्दों में कर पाना बेहद कठिन ही नही, नामुमकिन है । जिनके व्यक्तित्व को कवि की कविता, चित्रकार के चित्र ,वक्ता के शब्द ,लेखक की कलम भी व्यक्त नहीं कर सकती। आचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज का व्यक्तित्व हिमालय से ऊँचा और सागर से भी गहरा है।

बचपन की मुस्कान

चंबल के बीहड़ जिला मुख्यालय मुरैना (मध्य प्रदेश) में श्रावक श्रेष्ठी श्री शांति लाल जी, अशर्फी देवी जी के घर आंगन में 1 मई 1957, प्रातः 6:00 बजे बालक उमेश ने जन्म लिया। जब बचपन में खेलने की उम्र होती है उस समय वह खेल- खेल में देवता की प्रतिमा बनाते नजर आते थे और उसे घंटो तक निहारते रहते थे और प्रतिमा को आधार बनाकर ,ध्यान लगाते रहते थे, कक्षा के प्रतिभाशाली छात्र के रूप में आप विद्यालय के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के रुप में जाने जाते थे ।

कुमार अवस्था में त्याग की उत्कंठा

मात्र 13 वर्ष की आयु में बाजार की वस्तुएँ ना खाने का नियम ले लिया उमेश ने। पिच्छी और कमंडल से ऐसा अनुराग कि उन्हें अभी ले लूँ ,वेश ब्रह्मचर्य का और घर छोड़ने की ज़िद पर ,घर के लोगों ने उन्हें समझाया कि छोटी सी उम्र में गृह त्याग करना उचित नहीं है पहले ज्ञान अर्जन करो जिससे साधु बाने के साथ न्याय किया जा सके , संगीत के यंत्रों के साथ लौकिक शिक्षा में पारंगत उमेश ने जैन धर्म ग्रंथों का अध्ययन भी प्रारंभ कर दिया और कुमार अवस्था में त्याग की उत्कंठा को स्थापित कर त्याग मार्ग पर कदम बढ़ाना प्रारंभ किया ।

संस्कारों का आरोहण

अपने दादाजी श्री शंकर लाल जी के साथ संस्कारों की सीढ़ी पर उमेश ने चलना सीखा और मुनिसंघो के दर्शन कर अपने जीवन को वैराग्यमय बनाने का संकल्प ले लिया । फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश) में जब दादाजी के साथ आचार्य श्री विमल सागर जी महाराज के दर्शनार्थ पहुंचे तो वहां हो रहे केशलोंच को देखकर बालक मन मैदान में पड़ी धूल को सिर पर डालकर अपने बालों को उखाड़ने लगा मानो वह दृढ़ निश्चयी बालक उमेश केशलोंच का अभ्यास कर रहा हो तभी वहाँ बैठे श्रद्धालुओं ने बालक को रोक दिया लेकिन कुछ उखड़े बालों ने पूरे बाल बनवाने को मजबूर कर दिया परन्तु यह तय हो गया कि मैं केशलोंच तो कर ही सकता हूं और संस्कारों का आरोहण प्रारंभ हो गया ।

ब्रह्मचर्य का निश्चय एवं घर से वैराग्य

जैन धर्म ग्रंथों को पढ़ते उमेश ने यह तय कर लिया कि जिस मार्ग से झ पारलौकिक कार्य किया जा सकता है तो लौकिक कार्यों में क्यों समय की बबार्दी की जाए और वे 16 वर्ष के हुए तो इनकी उदासीनता देखकर घरवालों ने विवाह के बन्धन में बाँधने का प्रयास किया ,व्यापार में उलझाने के प्रयास किए , लेकिन जिसे संसार से पार होने का उपाय करना हो वह भला इन में कहाँ रमता हायर सेकेंडरी की परीक्षा भी उन्हें रोक न सकी और मुनिसंघ के विहार के साथ उमेश ने घर से विहार कर दिया और तय कर लिया अब इस संसार में ब्रह्मचर्य लेकर रहूंगा विवाह नहीं करूंगा।

आचार्य श्री विद्यासागर जी से लिया ब्रहमचर्य का नियम

उस समय वीरगांव जिला अजमेर (राज.) में विराजित इस युग के संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज से 1974 में उमेश जी ने आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत ग्रहण कर लिया और विशेष परिस्थिति को छोड़कर आजीवन रेल व बस का त्याग कर दिया आचार्य श्री से ब्र. उमेश जी ने कातंत्र व्याकरण, तत्वार्थ सूत्र , जैन सिद्धांत प्रवेशिकाह्व जैसे अनेक गूढ़ मूल ग्रंथों को पढ़ा और अपने आपको जैन दर्शन का ज्ञानी बनाया ।

आचार्य सुमति सागर जी से क्षुल्लक दीक्षा

ब्र. उमेश जी को अब वह धोती झ दुपट्टा भी भारी लगने लगा और उन्होंने सोनागिर जी में विराजित आचार्य श्री सुमति सागर जी महाराज से 5 नवम्बर 1976 को उन्हें सोनागिर सिद्धक्षेत्र में क्षुल्लक दीक्षा के संस्कार मिले और वह ब्र. उमेश भैया से गुणों के सागर क्षुल्लक श्री गुण सागर जी महाराज के रूप में प्रतिष्ठापित हो गए । कर्मों के क्षय की प्रक्रिया में उन्हें क्षुल्लक अवस्था में आहार में अन्तराय आने लगे सुकोमल काया कृष होकर तप के प्रभाव से चमकने लगी, लेकिन विचलित नहीं हुई उन्हें त्यागी वृन्द ह्वअन्तराय सागरह्व के नाम से जानने लगे । अन्तराय से निर्भीक बने गुण सागर ,अन्तराय से ध्यान हटा अध्ययन में ध्यान लगाकर अपने आप को कठोर चर्या हेतु तैयार करते रहे और अनेक ग्रंथों का अध्ययन करने लगे । क्षुल्लक गुण सागर जी ने यह जान लिया कि मोक्ष मार्ग में यह लंगोटी भी बाधक है इससे छुटकारा पाना चाहिए और आचार्य सुमति सागर जी महाराज से निवेदन किया । विनयपूर्ण निवेदन में साधक की दृढ़ता को देखते हुए वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की जन्म जयंती , 31 मार्च 1988 को अनेक चमत्कारो के साक्षी भगवान चंद्रप्रभु जी के समक्ष सोनागिर सिद्धक्षेत्र में आचार्य सुमतिसागर जी महाराज ने 2 दिगम्बर जैनेश्वरी दीक्षाएँ प्रदान की और क्षुल्लक गुण सागर जी के ज्ञान के क्षयोपशम को देखते हुए उन्हे दिगंबर मुनि श्री ज्ञान सागर महाराज के नाम से घोषित किया ।

गुरु ने घोषित किया उपाध्याय

मुनि दीक्षा का एक वर्ष भी पूर्ण नहीं हुआ था कि त्याग, तपस्या प्रतिभा के बल पर आपको आचार्य श्री सुमति सागर जी महाराज ने उत्तर प्रदेश के सरधना में दिनांक 30 जनवरी 1989 को आपको अपार जनसमूह के मध्य पंच परमेष्ठी में वर्णित चतुर्थ परमेष्ठी उपाध्याय पद प्रदान किया अब आप उपाध्याय ज्ञान सागर जी के नाम से जग में विख्यात हो गए ।

सराकोद्धारक उपाध्याय श्री

जैनों को जैनत्व की बात कहना आसान है लेकिन ऐसे जैन जो जैन होकर भी अपने आप को जैन नहीं मानते हैं लेकिन उनके वंशज श्रावक कहलाते थे आज वे सराक कहलाते हैं । देश के दुर्गम प्रदेश झारखंड ,बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा में ये घोर जंगल में निवास करते हैं, ज्ञानसागर जी ने अपने ज्ञान के नेत्र खोले और चले गए थे इन प्रदेशों के बीहड़ क्षेत्र तडाई ग्राम (जिला रांची) में अपने बिछुड़े हुए भाइयों के पास ।जहाँ श्रावक की चर्या असंभव हो वहां एक मुनि का पहुँचना बड़े आश्चर्य का विषय था, लेकिन स्व-पर कल्याण के लिए निकले संत को एक विश्वास था जो होगा वह जैनत्व के लिए गौरव होगा । आपने सराक बाहुल इलाके में चातुर्मास स्थापित किया, झोपड़ियों में

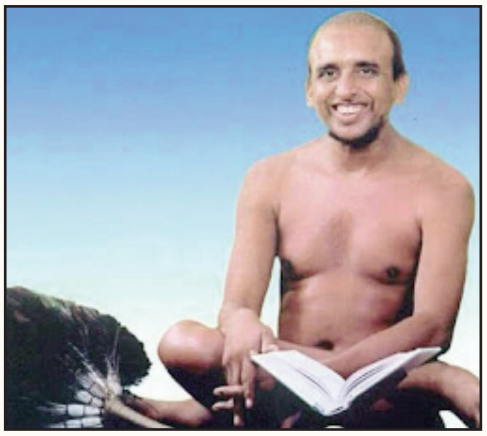

निवास कर अपने बिछुड़े सराको को बताया कि ,तुम श्रावक हो तुम्हारे पूर्वजों ने जैनत्व को धारण किया था, तब उपाध्याय श्री ने उन्हें अपना इतिहास बताया व गर्व की अनुभूति करवाई , सराक क्षेत्रों में धार्मिक पाठशाला , मंदिर, अनेक चिकित्सालय चल रहे हैं , छात्रवृत्ति दी जा रही है ,अनेक शिक्षण प्रशिक्षण शिविर चल रहे हैं,तीर्थयात्रा करने का सौभाग्य प्राप्त कर रहे हैं आदि ।बिरोजगार सराक बंधुओं को , ड्राइविंग टाइपिंग, सिलाई ,कढ़ाई, बुनाई आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया और अनेक सराकों का उद्धार कर उन्हें सच्चा श्रावक बना दिया जिनके वंश गोत्र आज भी शांतिनाथ अनंतनाथ आदि तीर्थंकरों के नाम है ऐसे उपाध्याय ज्ञानसागर जी ने मुश्किल कार्यो को आसान किया और जैन समाज की मुख्यधारा में सराकों को सम्मिलित कराया ,तभी से वे सराकोंद्धारक के रूप में प्रसिद्ध हो गए थे ।

जैनत्व गौरव को बढ़ाती गोष्ठियाँ व सम्मेलन

अपने ज्ञान गुण के माध्यम से ज्ञानसागर जी निरंतर चिंतनशील रहते थे । उन्होंने नए सिरे से ए बी सी डी लिख दी थी । 'ए' से एडवोकेट फोरम, ' बी' से बैंकर्स फोरम, ' सी' से चार्टर्ड अकाउंटेंट फोरम, ' डी ' से डॉक्टर्स फोरम, ' इ' से इंजीनियर्स फोरम आदि । वह महसूस करते हैं कि, यदि हम हमारे उच्च शिक्षित व्यवसायिक डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, प्रशासकीय शासकीय अधिकारी, बैंक कर्मी , शिक्षक, वैज्ञानिक, विद्वान आदि को संगठित कर उनको जैनत्व के उन्नयन में सहायक बनायें तो ,अहिंसा , शाकाहार , अपरिग्रह का संदेश बहुत जल्दी प्रसारित होगा । आपने अनेक सम्मेलन गोष्ठियाँ आयोजित कर सबको संगठित किया । आज अनेक संगठन जैन जगत के गौरव को स्थापित करने में निरंतर लगे हुए हैं। आचार्य श्री द्वारा की जाने वाली गतिविधियों में जेलों में प्रवचन एक अहम भाग था ।सैकडों कैदियों को सुधारने कि दृष्टि से आचार्य श्री जेलों में प्रवचन दिया था ।जेल अधिकारी उस समय दंग रह जाते थे जब प्रवचन के दौरान कैदी रो पड़ते थे और आजीवन, मांस, मदिरा , जुआ आदि का त्याग कर देते थे। उत्तर- दक्षिण, पूर्व- पश्चिम सभी प्रदेशों में आपके पद विहार हुए हैं अनेक पंचकल्याणक वेदी प्रतिष्ठा , मंडल विधान के साथ प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित कराना, विद्वत जगत व गणमान्य जनों को अनेक पुरस्कार श्रुत संवर्धन आदि से सम्मानित कर उन्हें समाज के सामने प्रस्तुत करना ज्ञान सागर जी महाराज की प्रेरणा रही है, जिससे अनेक प्रतिभाएं सामने आयी है।

आलेख में मार्ग दर्शन
ब्रह्म चारिणी अनिता दीदी,
सहयोग
अरविंद जैन
संकलन
भागचंद जैन मित्रपुरा,
अध्यक्ष जैन बैंकर्स, जयपुर

भूमि पूजन व लोकापर्ण समारोह सम्पन्न

आधारभूत सुविधाओं के लिए सतत व सम्मिलित प्रयास आवश्यक : कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति एम एम श्रीवास्तव

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर न्यायालय परिसर में नव निर्मित दो न्यायालयों भवनों का लोकार्पण व नई जमीन का भूमि पूजन समारोह शनिवार को सम्पन्न हुआ। बार अध्यक्ष महावीर सुरेन्द्र जैन व महासचिव नेमीचंद सामरिया ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम 10 व अपर मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट क्रम 14 के नवनिर्मित विस्तार भवन का लोकार्पण व सांगानेर न्यायालय परिसर के लिए आवंटित भूमि का परिसर का भूमि पूजन कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव, जस्टिस उमाशंकर व्यास व जस्टिस अनिल उपमन के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला जज जयपुर मेट्रो प्रथम श्रीमती नंदिनी व्यास ,एडीजे विशाल भार्गव, एसडीओ एकता काबरा व अन्य न्यायिक अधिकारी व अधिवक्ता उपस्थित रहें। कार्य. मुख्य न्यायाधिपति ने समारोह में सांगानेर न्यायालय परिसर के लिए भूमि आवंटन होने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य के लिए एक आधारशिला है जिसमें भव्य न्यायालय भवनों का निर्माण हो सकेगा। उन्होंने कहा कि पीड़ित पक्षकार को न्याय प्रदान करने के लिए न्यायालयों के पास आधारभूत सुविधाएं होना अत्यंत आवश्यक है जिसके लिए जमीन का आवंटन बहुत ही महत्वपूर्ण है परंतु जमीन आवंटन की प्रक्रिया आसान नहीं है। न्यायालय एवं अधिवक्ता पक्षकारों की सुविधा के लिए आधारभूत सुविधाएं विकसित करने के लिए सम्मिलित रूप से अथक प्रयास करते रहते हैं सांगानेर में इन्हीं प्रयासों की वजह से इस जमीन का आवंटन हो सका है । उन्होंने कहा जल्द ही सांगानेर में आधारभूत सुविधाओ युक्त न्यायालय भवनों के निर्माण के लिए प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा की बार व बेंच न्याय के दो स्तम्भ है जिनका उद्देश्य पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाना है पीड़ित पक्षकार को जल्दी से जल्दी न्याय मिले उसके लिए हमारा प्रयास है कि न्यायालयों में पर्याप्त न्यायिक अधिकारी व कर्मचारी हो तथा सुविधाओ युक्त भवन हो जिनमें आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध हो। इस अवसर पर जस्टिस उमाशंकर व्यास ने आगामी जरूरतों के हिसाब से नई तकनीक से न्यायालय बनाने का सुझाव दिया जिससे कि जमीन का समुचित उपयोग हो सके एवं भविष्य की जरूरत के लिए पर्याप्त न्यायालय भवन, अधिवक्ता चेंबर व अन्य सुविधाएं विकसित हो सके। जस्टिस अनिल उपमन ने सांगानेर में जमीन आवंटन को मील का पत्थर बताते हुए सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की इस अवसर पर जिला जज नंदनी व्यास ने कहाँ की नये भवनों के निर्माण से अधिवक्ताओं व पक्षकारों को सुविधा मिलेगी। बार अध्यक्ष महावीर सुरेन्द्र जैन व महासचिव नेमीचंद सामरिया ने अतिथियों का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये।

कल्पतरू महातीर्थ मे पंच कल्याणक के अंतर्गत जन्म कल्याणक मनाया

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। कल्पतरु महातीर्थ जंबूडी हप्सी मैं हो रहे अंतर्राष्ट्रीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत रविवार को तीर्थंकर बालक आदि कुमार का जन्म हुआ और लोगों ने खुशियां मनाते हुए पांडाल से पांडुक शिला तक पुलक चेतना मंच के श्री कैलाश लुहाडिया के निर्देशन में भव्य शोभा यात्रा निकाली जिसमें ऐरावत हाथी पर तीर्थंकर बालक को लेकर सौ धर्म इंद्र मनीष अपनी इंद्राणी के संग विराजमान थे। शोभायात्रा में बैंड बाजों के साथ 20 अश्व रथों में बैंड बाजों के साथ कुबेर इंद्र एवं महोत्सव के सभी पात्र विराजमान थे। मार्ग में जगह-जगह कुबेर इंद्र रत्नों की वृष्टि कर रहे थे और महिलाऐं एवं पुरुष मंगल गीत गाते और नाचते झूमते हुए खुशियों का इजहार कर रहे थे।

श्री अशोक-श्रीमती सुधा जैन

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सम्मानीय सदस्य

की वैवाहिक वर्षगांठ

(1 May) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका,

संरक्षक: सुरेंद्र - मृदुला पांड्या, दर्शन - विनीता जैन, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल

कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - निशा संघी, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

सम्मानित हुए अन्नदाता संस्थाओ के प्रतिनिधि

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान प्रदेश वैश्य महासभा के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में संस्था द्वारा गरीब,असहाय व अनाथ लोगों की सेवा में कार्य कर रही संस्थाओं की सहायतार्थ संचालित अन्नदान फाउंडेशन के तहत अन्नदाताओं का सम्मान समारोह विद्याधर नगर स्थित दाना पानी होटल में हुआ। इस अवसर पर 30 संस्थाओं के प्रतिनिधियों को माला, साफा व स्मृति चिन्ह भेंट सम्मानित किया गया। राजस्थान प्रदेश वैश्य महासभाके अध्यक्ष प्रकाश चंद गुप्ता ने बताया कि अतिथि गोपाल गुप्ता, नथमल बंसल, बसंत जलेबा, मनोज चैधरी, अशोक परवाल, प्रभात गुप्ता राजकुमार जैन, बाबूलाल गुप्ता, अमित कामदार, राधेश्याम गुप्ता, रमेश गोयल, उमेश नारनौली, जयप्रकाश सुरेखा, दीपक अग्रवाल, मुकेश बंसल, विनोद मित्तल, राजेश अग्रवाल भारी संख्या में मातृशक्ति प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा नारनोली, रेनू गर्ग,राधा अग्रवाल व मंजू पोरवाल ने सम्मान किया गया। अंत में महामंत्री राजकुमार जैन एवं राजेश अग्रवाल ने समापन करते हुए सभी का आभार जताया।

विधानाचार्य पंडित रमेश गंगवाल के निर्देशन में भगवान शांतिनाथ महामंडल विधान की पूजा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य समंत भद्र स्वामी भगवंत कहते हैं पूजा भगवान की वैयावृत्ति है, और आचार्य रविषेण भगवान कहते हैं, पूजा अतिथि संविभाग है । भगवान की वैया वृत्ति और अतिथि संविभाग के मर्म और व्याख्या को समझते हुए धर्म के प्रति आस्था और ,विनय तथा श्रद्धा के, साथ राजस्थान प्रशासनिक सेवा की अधिकारी सीमा शर्मा RAS ने अपने गृह निवास पर विधानाचार्य पंडित रमेश गंगवाल के निर्देशन में भगवान शांतिनाथ महामंडल विधान की पूजा अर्चना बहुत ही मनोयोग और भक्ति भाव से संपन्न कराई। निश्चल जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर उप शासन सचिव राजस्थान सरकार देवेंद्र जैन ,एवं अनिल जैन सीए तथा हरिप्रसाद शर्मा ने अपनी धर्मपत्नी सहित भगवान शांतिनाथ के विधान को स्वयं वाचन करते हुए विधिवत संपन्न कराने में सहयोग किया। तीर्थंकर वर्धमान स्वामी की सर्वोदयी उपदेशना को ग्रहण कर, सुश्री रश्मिका शर्मा एवं सीमा शर्मा ने आस्था और समर्पण के साथ भक्ति पूर्वक मनोयोग से मंगल कलश स्थापना की।

जैन छात्रावास में नेत्र शिविर आयोजित

मनोज नायक. शाबाश इंडिया।

ग्वालियर। जैन छात्रावास के प्रांगण में नेत्र चिकित्सा एवं मोतियाविन्द के ऑपरेशन हेतु शिविर का आयोजन किया गया। जैन समाज ग्वालियर की प्रतिष्ठित संस्था श्री वीर शिक्षा समिति ग्वालियर द्वारा संचालित जैन सेन्ट्रल हाई स्कूल माधव डिस्पेंसरी के सामने राजपायगा रोड़ लश्कर ग्वालियर में आयोजित नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर में 237 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया एवं 45 मरीजों का चयन मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु किया गया। स्मरणीय है कि मध्यप्रदेश के सबसे श्रेष्ठ एवं विशाल रत्न ज्योति चेरिटेबल ट्रस्ट ग्वालियर के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. पुरेंद्र भसीन के सहयोग से प्रत्येक माह की 30 तारीख को नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन का शिविर जैन सेन्ट्रल हाई स्कूल द्वारा आयोजित किया जाता है। आज के शिविर का शुभारंभ पंजाब नेशनल बैंक नया बाजार के प्रबंधक अमित सिंह द्वारा चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट राजेंद्र जैन, मंत्री डॉ. मुकेश जैन, कोषाध्यक्ष जिनेन्द्र कुमार जैन, कार्यकारिणी सदस्य बालचन्द जैन, गुलजारीलाल जैन, देवेन्द्र जैन दूधियां, विक्रम कुमार जैन, जैन सोशल ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष अनुपम चौधरी, अध्यक्ष शीतल जैन, पूर्व अध्यक्ष संजय जैन चौधरी, प्रशांत जैन आदि उपस्थित रहे।

महिला जैन मिलन ने वस्त्र, मिष्ठान एवं फल वितरित किये

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

महिला जैन मिलन ने शनिवार को शनि मंदिर में जाकर गरीब बच्चों ,बुजुर्गों और महिलाओं को वस्त्र ,फल एवं मिठाइयां बांटी। अध्यक्ष दीप्ति जैन कांसल ने बताया कि संस्था की सदस्यायों ने शनिवार को शनि मंदिर में जाकर गरीब बच्चों , बुजुर्गों और महिलाओं को तरह-तरह के बिस्किट पैकेट ,ब्रेड, पाव, समोसे , नमकीन, इमरती तरह-तरह के फल, आदि सभी को वितरित किए गए इस प्रोजेक्ट में मंत्री श्वेता जैन भोपाली, कोषाध्यक्ष अंजू जैन बांझल के साथ हमारी सीमा जैन बगुल्या, शालिनी खेरा, मीनू जैन रोकड़िया, सुषमा मेट्रो ,ममता जैन भोपाली, प्रीति बाबा ,मीनू खैरा एवं रक्षा सिंघई आदि सभी बहनों ने खूब सहयोग किया। मानव सेवा के इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी सहभागिता की।